

आदेश की क्रम
संख्या एवं
तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

1

2

आदेश पर की गई
कारवाई के बारे में
लिपि तारीख
सहित

न्यायालय समाहर्ता, पूर्णियाँ
राजस्व विविध अनुमति वाद संख्या-54/11
बिहार कास्तकारी अधिनियम की धारा- 49 (जी)
श्री भिखन उराँव, पिता- स्व० मंहगू उराँव,
सकिन- मुन्शीबाड़ी हाँसदा, थाना- सदर, जिला- पूर्णियाँ

बनाम

राज्य सरकार

आदेश

यह राजस्व विविध अनुमति वाद आवेदक द्वारा गम्भीर बिमारी एवं हार्ट अटैक आने के फलस्वरूप अपनी इलाज हेतु तथा अपनी लड़की शादी करने के लिए बिहार कास्तकारी अधिनियम की धारा-49(जी) अन्तर्गत बिक्री कीले कर अनुमति हेतु दायर किया गया है।

इसमें आवेदक का कथन है कि उनके पास 5.66 डिसमल जमीन है। जिसमें कसबा अंचल अन्तर्गत पुपड़िया मौजा में अभी 3.66 एकड़ जमीन है। उक्त जमीन आवेदक के घर से काफी दूर पर है। उक्त जमीन निबंधित केवाला द्वारा प्राप्त है। वर्तमान समय में गम्भीर बिमारी की दौर से गुजर रहा है तथा एक बार हार्ट अटैक भी हो चुका है तथा लड़की की उम्र 22 वर्ष हो चुका है जिसका शादी करना आवश्यक है। इसलिए जमीन बिक्री करना चाहता है।

इस सन्दर्भ में अंचल अधिकारी, कसबा से जाँच प्रतिवेदन की माँग की गयी। अंचल अधिकारी, कसबा ने अपने पत्रांक-715 दिनांक 07.07.10 के द्वारा प्रतिवेदित किये हैं, जो निम्न प्रकार है :-

आवेदक द्वारा कुल धारित जमीन :-

मौजा/थाना नं०	खाता नं०	खेसरा नं०	रकबा	आवेदक के नाम जमाबंदी दर्ज है
पुपरिया-246	53	680	0.71	
	107	634	0.77	
		638	0.96	
कुल:			2.44 एकड़	

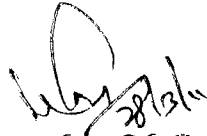
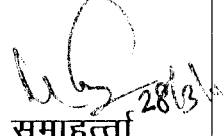
बिक्री की जानेवाली जमीन का ब्यौरा :-

मौजा/थाना नं०	खाता नं०	खेसरा नं०	रकबा
पुपरिया-246	53	680	0.71

प्रश्नगत जमीन बिक्री के पश्चात आवेदक के पास 1.73 एकड़ जमीन अवशेष बच जाता है जिससे वे भूमिहीन के श्रेणी में नहीं आते हैं।

प्रश्नगत जमीन भूदान, भूहदबन्दी, स्वत्ववाद एवं बिहार सरकार से मुक्त है।

XIV-Form No. 563.

आदेश की क्रम संख्या एवं तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर
1	2
	<p>विद्वान अंचल अधिकारी, कसबा के प्रतिवेदन एवं आवेदक के आवेदन के आलोक में आवेदक के अनुरोध को स्वीकृत करते हुए बिहार कास्तकारी अधिनियम की धारा-49 (जी) अन्तर्गत जमीन ब्रिकी की अनुमति प्रदान की जाती है। इस निर्णय के साथ ही इस वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित ।</p> <p> समाहर्त्ता, पूर्णियाँ</p> <p> समाहर्त्ता, पूर्णियाँ</p>

आदेश पर की
कार्रवाई के प
दिपनी तारी
सहित

3